



Films pour enfants

माता-पिता और शिक्षकों की सेवा में।

कलात्मक अभ्यासों के प्रति जागरूकता जगाने वाली काव्यात्मक फ़िल्में।

स्कूली पाठ्यक्रम में सहयोग देने वाली शैक्षिक फ़िल्में।

सबके लिए फ़िल्में

अंतरराष्ट्रीय उद्देश्य वाला संगठन “Films pour enfants” शैक्षिक परिवेश में दुनिया भर के बच्चों को लेखकीय एनिमेशन सिनेमा तक मुफ्त पहुंच उपलब्ध कराना चाहता है, और अपने वेब पोर्टल पर 300 से अधिक लघु फ़िल्में प्रस्तुत करता है, जिन्हें परिवार के साथ मुफ्त में देखा जा सकता है।

सामाजिक असमानताओं से परे, जैसे किताबें, चित्रकला या संगीत के साथ होता है, फ़िल्में हर बच्चे को अपनी रुचियाँ विकसित करने, साथ मिलकर जीना सीखने और अपने व्यक्तित्व को निखारने में मदद करती हैं।

films-pour-enfants.com

आयु, विषय और कीवर्ड के अनुसार वर्गीकृत फ़िल्मों का चयन
परिवारों के लिए मुफ्त और विज्ञापन-रहित ऑनलाइन पोर्टल

फ़िल्में देखने का क्या लाभ है?

सिनेमा कलात्मक संवेदनशीलता को उद्दीप्त करता है और बच्चों के बौद्धिक, संवेदी, भावनात्मक और सामाजिक विकास में योगदान देता है। स्कूली जीवन के दौरान, फ़िल्में साझा संदर्भ बनाती हैं और बच्चों को बचपन से ही साथ मिलकर जीना सीखने तथा अपने व्यक्तित्व को निखारने में मदद करती हैं। बच्चे जो देखते हैं उसके बारे में अपनी राय बनाना सीखते हैं। यही सृजन की शुरुआत है।

लघु फ़िल्में ही क्यों?

छोटे प्रारूप विशेष रूप से युवा दर्शकों के लिए उपयुक्त होते हैं, क्योंकि ये छोटे बच्चों को अपना ध्यान और जिज्ञासा बनाए रखने में मदद करते हैं। बच्चों को निष्क्रिय उपभोक्ताओं की तरह जो देखा जाए उसे बस झेलना नहीं चाहिए। सिनेमा को वास्तविक दुनिया को समृद्ध करना चाहिए, न कि उसकी जगह लेनी चाहिए: कम देखना, लेकिन बेहतर देखना।

फ़िल्में मुफ्त क्यों?

हमारी शिक्षा प्रणाली सांस्कृतिक लोकतंत्रीकरण पर जोर देती है। सामाजिक असमानताओं से परे, कला शिक्षा को हर विद्यार्थी को कला के क्षेत्र में ज्ञान तक समान पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। ऑनलाइन साधनों का मुफ्त होना कक्षा के दायरे को बढ़ाता है और कक्षा में पढ़ाई गई फ़िल्मों को घर पर दोबारा देखने का अवसर देता है।

मूक फ़िल्में ही क्यों?

मूक सिनेमा बच्चों को आवाज़ देता है। अपने बच्चों के साथ एक मूक फ़िल्म देखने का अनुभव लीजिए। पहले ही मिनट से, मूक फ़िल्म उतने ही संवादों वाली फ़िल्म बन जाती है जितने बच्चे मौजूद हों: बच्चों की टिप्पणियाँ, व्याख्याएँ, सवाल और हँसी।